

56

न्यायालय राजस्व मण्डल, म0प्र0 ग्वालियर

समक्ष

एस0एस0अली

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक : 4257-दो/2013 - विरुद्ध आदेश दिनांक
15-10-2013 - पारित द्वारा अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा -
प्रकरण क्रमांक 305/2007-08 अपील

ज्ञानेन्द्र प्रसाद गुप्ता पुत्र जयपतीप्रसाद गुप्ता
ग्राम कोतरकला तहसील गोपदबनास
जिला रीवा मध्य प्रदेश

---आवेदक

विरुद्ध

- 1- रामकृपाल गुप्ता पुत्र मदनीदास गुप्ता
- 2- श्रीमती सरस्वती देवी पत्नि अवधेश प्रसाद
दोनों ग्राम कोतरकला तहसील गोपदबनास
जिला रीवा मध्य प्रदेश
- 3- मेसर्स गुप्ता एण्ड एसोसिएट जमोडी कला
नियर तोरण द्वार सीधी म0प्र0
द्वारा दीपककुमार गुप्ता पुत्र रामशरण
ग्राम अमहा वार्ड क्र-22 सीधी तहसील
गोपदबनास जिला सीधी मध्य प्रदेश

---अनावेदकगण

(आवेदक के अभिभाषक श्री बेदप्रकाश वर्मा)

(अनावेदक 1,2 अभिभाषक श्री आर.के.देव पाण्डेय)

(अनावेदक 3 सूचना उपरांत अनुपस्थित-एकपक्षीय)

आ दे श

(आज दिनांक 19 - 06 -2018 को पारित)

यह निगरानी अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा के प्रकरण क्रमांक
205/2007-08 अपील में पारित आदेश दिनांक 15-10-2013 के विरुद्ध
म0प्र0 भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की
गई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि आवेदक ने तहसीलदार गोपद बनास के समक्ष मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 109, 110 के अंतर्गत आवेदन देकर बताया कि अनावेदक क्रमांक-1 उसे ग्राम कोतरकला की भूमि सर्वे नंबर 5/2 रकबा 0.50 एकड़ दिनांक 3-10-2000 को पंचाट अवाई के साथ दे चुका है एवं मौके पर कब्जा भी दे दिया है इसलिये पंचाट अवाई के आधार पर उसका नामान्तरण किया जावे। तहसीलदार गोपदबनास ने प्रकरण क्रमांक 120 अ 6/2001-02 पॅजीबद्ध किया तथा दिनांक 24-12-2006 को आयोजित लोक अदालत में आदेश दिनांक 24-12-2006 से नामान्तरण आवेदन खारिज कर दिया। इस आदेश के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी गोपद बनास जिला सीधी के समक्ष अपील प्रस्तुत की गई। अनुविभागीय अधिकारी गोपद बनास ने प्रकरण क्रमांक 1073/2006-07 अपील में पारित आदेश दिनांक 15-10-2007 से अपील निरस्त कर दी। अनुविभागीय अधिकारी गोपद बनास के इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा के समक्ष अपील प्रस्तुत की गई। अपर आयुक्त रीवा संभाग, रीवा ने प्रकरण क्रमांक 205/2007-08 अपील में पारित आदेश दिनांक 15-10-2013 अपील निरस्त कर दी। अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा के इसी आदेश से परिवेदित होकर यह निगरानी प्रस्तुत की गई है।

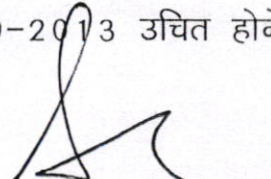
3/ निगरानी मेमो में अंकित आधारों पर उपस्थित पक्षकारों के अभिभाषकों को सुना गया तथा आवेदक के अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत लेखी बहस एवं अधीनस्थ न्यायालयों के अभिलेख का अवलोकन किया गया।

4/ आवेदक के अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत लेखी बहस एवं अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख में आये तथ्यों के अवलोकन से परिलक्षित है कि आवेदक ने तहसीलदार गोपद बनास के समक्ष आवेदन देकर मांग की है कि अनावेदक क्रमांक-1 ने उसे ग्राम कोतरकला की भूमि सर्वे नंबर 5/2 रकबा 0.50 एकड़ दिनांक 3-10-2000 को पंचाट अवाई के साथ दिया है एवं मौके पर कब्जा भी दिया है, इसलिये पंचाट अवाई के आधार पर नामान्तरण किया जावे। तहसीलदार गोपद बनास ने प्रकरण क्रमांक 120 अ 6/2001-02 में पारित आदेश दिनांक 24-12-2006 में इस प्रकार का निष्कर्ष दिया है :-

“ संहिता की धारा 109, 110 के तहत किसी भी भूमि का नामान्तरण किसी अन्य के नाम किये जाने हेतु विधिवत् पॅजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर किए जाने का प्रावधान है न किसी किसी पंचाट या अन्य के कारण है। ”

मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 109 (1) में बताया गया है कि कोई भी व्यक्ति, जो भूमि में कोई अधिकार या हित विधिपूर्वक अर्जित करता है , अपने द्वारा ऐसा अधिकार अर्जित किए जाने की रिपोर्ट ऐसे अर्जन की तारीख से छह मास के भीतर पटवारी को मौखिक रूप से या लिखित में करेगा। इसी धारा की टिप्पणी में अधिकारों के अर्जन की रीति बताई गई है जिसमें पंचाट अवार्ड के माध्यम से हक के अर्जन होना अंकित नहीं है। फलस्वरूप आवेदक द्वारा पंचाट अवार्ड के माध्यम से अर्जित हक बैध हक अर्जन नहीं माना जा सकता। तहसीलदार द्वारा आदेश दिनांक 24-12-06 लोक अदालत में पारित हैजो अपील/निगरानी योग्य भी नहीं है। तहसीलदार गोपदबनास द्वारा आदेश दिनांक 24-12-2006 में निकाले गये निष्कर्ष, अनुविभागीय अधिकारी गोपद बनास द्वारा आदेश दिनांक 15-10-2007 में निकाले गये निष्कर्ष तथा अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा द्वारा प्रकरण क्रमांक 205/2007-08 अपील में पारित आदेश दिनांक 15-10-2013 में निकाले गये निष्कर्ष समवर्ती हैं जिसके कारण विचाराधीन निगरानी में आवेदक को किसी प्रकार का अनुतोष दिये जाने पर विचार करना संभव नहीं है।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी सारहीन होने से निरस्त की जाती है एवं अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा द्वारा प्रकरण क्रमांक 205/2007-08 अपील में पारित आदेश दिनांक 15-10-2013 उचित होने से यथावत् रखा जाता है।


(एस0एस0अली)

सदस्य

राजस्व मण्डल

मध्य प्रदेश ग्वालियर